

MPSE 006 (part-4)

Peace and Conflict Studies

Most important questions for exam

In both Hindi & English

Topic-1

Various confidence building measures between india and pakistan.

Confidence Building Measures (CBMs) are actions taken to reduce fear of attack by both (or all) parties in a situation of conflict. In the context of India-Pakistan relations, these measures are particularly crucial given the historical tensions and conflict between the two nations.

विश्वास निर्माण उपाय (सीबीएम) संघर्ष की स्थिति में दोनों (या सभी) पक्षों द्वारा हमले के डर को कम करने के लिए की जाने वाली कार्रवाइयां हैं। भारत-पाकिस्तान संबंधों के संदर्भ में, दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक तनाव और संघर्ष को देखते हुए ये उपाय विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं।

Here are several CBMs that have been implemented or proposed to enhance trust and reduce the risk of escalation:

यहां कई सीबीएम हैं जिन्हें विश्वास बढ़ाने और तनाव बढ़ने के जोखिम को कम करने के लिए लागू या प्रस्तावित किया गया है:

1. Military CBMs

- **Hotlines:** Establishing direct communication links between military commanders, particularly at the Director-General of Military Operations (DGMO) level, to manage and de-escalate crises.
 - **हॉटलाइन:** संकटों को प्रबंधित और कम करने के लिए सैन्य कमांडरों, विशेष रूप से संचालन महानिदेशक (डीजीएमओ) स्तर पर, के बीच सीधे संचार लिंक स्थापित करना।
- **Advance Notification of Military Exercises:** Informing each other about military exercises near borders to avoid misinterpretations as preparations for an attack.
 - **सैन्य अभ्यासों की अग्रिम सूचना:** हमले की तैयारी के रूप में गलतफहमी से बचने के लिए सीमाओं के पास सैन्य अभ्यासों के बारे में एक-दूसरे को सूचित करना।
- **Non-deployment of Heavy Artillery:** Agreements to not deploy heavy artillery in sensitive areas near the border.
 - **भारी तोपखाने का गैर-तैनाती:** सीमा के पास संवेदनशील क्षेत्रों में भारी तोपखाने को तैनात न करने के समझौते।
- **Ceasefire Agreements:** Periodic reaffirmation and maintenance of ceasefire agreements, such as the one established in 2003 along the Line of Control (LoC).
 - **युद्धविराम समझौते:** नियंत्रण रेखा (एलओसी) के साथ 2003 में स्थापित युद्धविराम समझौते जैसी समय-समय पर पुनर्पुष्टि और रखरखाव।

2. Nuclear CBMs

- **Non-attack Agreements on Nuclear Facilities:** Both countries have an agreement not to attack each other's nuclear facilities, which they renew annually.

- **परमाणु सुविधाओं पर गैर-आक्रमण समझौते:** दोनों देशों के बीच एक समझौता है कि वे एक-दूसरे की परमाणु सुविधाओं पर हमला नहीं करेंगे, जिसे वे वार्षिक रूप से नवीनीकृत करते हैं।
- **Hotlines for Nuclear Risk Reduction:** Establishing hotlines between nuclear command authorities to prevent misunderstandings and manage nuclear risks.
 - **परमाणु जोखिम में कमी के लिए हॉटलाइन:** गलतफहमियों को रोकने और परमाणु जोखिमों को प्रबंधित करने के लिए परमाणु कमान प्राधिकरणों के बीच हॉटलाइन स्थापित करना।
- **Notification of Ballistic Missile Tests:** Informing each other in advance about ballistic missile tests to avoid misinterpretation.
 - **बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षणों की सूचना:** गलतफहमी से बचने के लिए बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षणों के बारे में अग्रिम रूप से एक-दूसरे को सूचित करना।

Topic-2

The role of United Nations Security Council (UNSC) in peace building.

The United Nations Security Council (UNSC) plays a pivotal role in peacebuilding efforts worldwide. As one of the six principal organs of the United Nations, it is primarily responsible for maintaining international peace and security. Here's a detailed look at its role in peacebuilding:

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) दुनिया भर में शांति स्थापना प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। संयुक्त राष्ट्र के छह प्रमुख अंगों में से एक के रूप में, यह मुख्य रूप से अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है। यहां शांति निर्माण में इसकी भूमिका पर एक विस्तृत नज़र डाली गई है:

1. Mandating Peacekeeping Operations

- **Deployment of Peacekeepers:** The UNSC authorizes the deployment of peacekeeping forces to conflict zones to monitor ceasefires, separate warring parties, and ensure the implementation of peace agreements.
 - **शांति सैनिकों की तैनाती:** संघर्ष क्षेत्रों में युद्धविराम की निगरानी, लड़ाई कर रहे पक्षों को अलग करने और शांति समझौतों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए यूएनएससी शांति सैनिकों की तैनाती को मंजूरी देता है।

2. Facilitating Peace Agreements

- **Mediation and Negotiation Support:** The UNSC often supports mediation efforts and negotiations between conflicting parties to reach peace agreements.
 - **मध्यस्थता और वार्ता समर्थन:** यूएनएससी अक्सर शांति समझौतों तक पहुंचने के लिए संघर्षरत पक्षों के बीच मध्यस्थता प्रयासों और वार्ताओं का समर्थन करता है।

3. Imposing Sanctions

- **Economic and Political Sanctions:** The UNSC can impose sanctions on countries or groups that threaten peace, to compel them to comply with international laws and norms.

- **आर्थिक और राजनीतिक प्रतिबंध:** यूएनएससी शांति को खतरे में डालने वाले देशों या समूहों पर अंतरराष्ट्रीय कानूनों और मानदंडों का पालन करने के लिए प्रतिबंध लगा सकता है।

4. Authorizing Use of Force

- **Military Interventions:** In extreme cases, the UNSC can authorize military interventions to restore peace and security.
 - **सैन्य हस्तक्षेप:** चरम मामलों में, यूएनएससी शांति और सुरक्षा बहाल करने के लिए सैन्य हस्तक्षेप को मंजूरी दे सकता है।

5. Supporting Post-Conflict Reconstruction

- **Rebuilding Institutions:** The UNSC supports efforts to rebuild governmental and civil institutions in post-conflict areas to ensure long-term stability.
 - **संस्थानों का पुनर्निर्माण:** यूएनएससी संघर्ष के बाद के क्षेत्रों में दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सरकारी और नागरिक संस्थानों के पुनर्निर्माण के प्रयासों का समर्थन करता है।

6. Promoting Human Rights and Justice

- **Tribunals and Courts:** Establishing tribunals and courts to address war crimes and ensure justice and accountability in post-conflict settings.
 - **अदालतें और न्यायाधिकरण:** युद्ध अपराधों को संबोधित करने और संघर्ष के बाद की स्थितियों में न्याय और

उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने के लिए न्यायाधिकरण और अदालतें स्थापित करना।

Topic-3

Arms Control and Disarmament

Arms control and disarmament are critical components of international security and peacebuilding efforts. These terms, often used interchangeably, have distinct meanings and involve different strategies to manage and reduce the proliferation of weapons.

हथियार नियंत्रण और निरस्त्रीकरण अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा और शांति निर्माण प्रयासों के महत्वपूर्ण घटक हैं। अक्सर एक दूसरे के स्थान पर उपयोग किए जाने वाले इन शब्दों के अलग-अलग अर्थ होते हैं और इनमें हथियारों के प्रसार को प्रबंधित करने और कम करने के लिए अलग-अलग रणनीतियाँ शामिल होती हैं।

Arms Control

Arms control refers to international agreements to manage the development, testing, production, deployment, and use of weapons. The primary goals are to enhance stability, reduce the risk of conflict, and build trust among nations. Key aspects include:

शस्त्र नियंत्रण से तात्पर्य हथियारों के विकास, परीक्षण, उत्पादन, तैनाती और उपयोग के प्रबंधन के लिए अंतर्राष्ट्रीय समझौतों से है। प्राथमिक लक्ष्य स्थिरता बढ़ाना, संघर्ष के जोखिम को कम करना और राष्ट्रों के बीच विश्वास पैदा करना है। प्रमुख पहलुओं में शामिल हैं:

- **Bilateral and Multilateral Treaties:** Agreements between two or more countries to regulate armaments. Examples include the Strategic Arms Reduction Treaty (START) between the United States and Russia and the Treaty on Conventional Armed Forces in Europe (CFE).
 - **द्विपक्षीय और बहुपक्षीय संधियाँ:** दो या अधिक देशों के बीच आयुधों को विनियमित करने के लिए समझौते। उदाहरणों में संयुक्त राज्य अमेरिका और रूस के बीच सामरिक शस्त्र कटौती संधि (START) और यूरोप में पारंपरिक सशस्त्र बलों पर संधि (CFE) शामिल हैं।
- **Verification Mechanisms:** Procedures to ensure compliance with arms control agreements through inspections, monitoring, and reporting.
 - **सत्यापन तंत्र:** निरीक्षण, निगरानी और रिपोर्टिंग के माध्यम से हथियार नियंत्रण समझौतों का अनुपालन सुनिश्चित करने की प्रक्रियाएं।
- **Confidence-Building Measures:** Actions to increase transparency and predictability, such as sharing information about military capabilities and activities.
 - **आत्मविश्वास निर्माण उपाय:** सैन्य क्षमताओं और गतिविधियों के बारे में जानकारी साझा करने जैसे पारदर्शिता और पूर्वानुमेयता बढ़ाने के लिए कार्य।

Disarmament

Disarmament refers to the reduction or elimination of a country's military forces and weapons. It aims to decrease the likelihood of war, reduce military spending, and promote global security. Key aspects include:

निरस्त्रीकरण का तात्पर्य किसी देश के सैन्य बलों और हथियारों को कम करना या खत्म करना है। इसका उद्देश्य युद्ध की संभावना को कम करना, सैन्य खर्च को कम करना और वैश्विक सुरक्षा को बढ़ावा देना है। प्रमुख पहलुओं में शामिल हैं:

- **Nuclear Disarmament:** Efforts to reduce and ultimately eliminate nuclear weapons. Key treaties include the Treaty on the Non-Proliferation of Nuclear Weapons (NPT) and the Comprehensive Nuclear-Test-Ban Treaty (CTBT).
 - **परमाणु निरस्त्रीकरण:** परमाणु हथियारों को कम करने और अंततः समाप्त करने के प्रयास। प्रमुख संधियों में परमाणु अप्रसार संधि (NPT) और व्यापक परमाणु-परीक्षण-प्रतिबंध संधि (CTBT) शामिल हैं।
- **Conventional Disarmament:** Reducing conventional weapons, such as tanks, aircraft, and artillery. This can include regional agreements to limit specific types of armaments.
 - **पारंपरिक निरस्त्रीकरण:** टैंक, विमान और तोपखाने जैसे पारंपरिक हथियारों को कम करना। इसमें विशिष्ट प्रकार के हथियारों को सीमित करने के लिए क्षेत्रीय समझौते शामिल हो सकते हैं।
- **Chemical and Biological Disarmament:** Prohibiting the development, production, and use of chemical and biological weapons. Key agreements include the Chemical Weapons Convention (CWC) and the Biological Weapons Convention (BWC).
 - **रासायनिक और जैविक निरस्त्रीकरण:** रासायनिक और जैविक हथियारों के विकास, उत्पादन और उपयोग पर प्रतिबंध। प्रमुख समझौतों में रासायनिक हथियार

सम्मेलन (CWC) और जैविक हथियार सम्मेलन (BWC)
शामिल हैं।

Scholarly Minds